क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 281, सोमवार, 05 नवम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

गाय की खालों से भरा ट्रक जब्त, 500 से ज्यादा खाल बरामद, दो गिरफ्तार

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस की अपराध जांच शाखा सेक्टर-56 ने थाना सेक्टर 58 इलाके से गाय की खालों से भरा एक ट्रक जब्त किया है। इस ट्रक में 500 से ज्यादा गाय की खाल भरी हुई थीं। अपराध जांच शाखा ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए लोगों में ट्रक चालक एवं मालिक अलवर जिले के खड़खड़ी गांव निवासी मुस्तफा और गाय की खालों का मालिक नूहं निवासी राजू शामिल हैं। दोनों आरोपी गाय की खालों को लेकर हापुड़ जा रहे थे। इससे पहले वह खालों को लेकर कानपुर भी जा चुके हैं। राजू ने भरतपुर, अलवर, नूहं आदि इलाकों से ये गाय की खालें कसाइयों से खरीदी थीं। अपराध जांच शाखा प्रभारी आनंद सागवान ने बताया कि डॉक्टर की जांच रिपोर्ट आ गई है, जिससे पता चला है कि ये गाय की ताजा खालें हैं। सेक्टर-58 थाना में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवा दिया गया है। दोपहर बाद आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड की मांग की जाएगी। उन्होंने बताया कि एक खाल की कीमत तीन से चार हजार के बीच है। फिलहाल खालों के गिनने का काम चल रहा है।

984 सिख विरोधी दंगे: दिल्ली में अकाली दल का प्रदर्शन, हिरासत में हरसिमरत, कांग्रेस ने बताया ' राजनीतिक स्टंट'

नई दिल्ली। शिरोमणी अकाली दल (शिअद) के नेता और कार्यकर्ता 1984 के सिख विरोधी दंगे में मारे गये लोगों के परिजन के लिए न्याय की मांग लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि दंगों में जो लोग मारे गए हैं उनके परिवार को न्याय मिलना चाहिए। इसी बीच प्रदर्शन में शामिल केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। हिरासत में लिए जाने से पहले हरसिमरत कौर ने कहा, पिछले 34 सालों से हमारा समाज न्याय मांग रहा है। हजारों सिखो की हत्या कर दी गई, कई महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ, लोगों के घर से उनसे हमेशा के लिए छिन गए। लेकिन अब तक किसी को भी न्याय नहीं मिला। न्यायपालिका इस पर स्वत: संज्ञान क्यों नहीं ले रही।

कॉग्रेस ने बताया राजनीतिक नौटंकी

बहरहाल, पंजाब में सत्ताधारी पार्टी कांग्रेस ने शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्त्व में होने वाले इस प्रदर्शन को एक राजनीतिक नौटंकी करार दिया है। शिअद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रवक्ता दलजीत सिंह चीमा ने यहां जारी एक बयान में कहा कि 1984 में एक से चार नवंबर के बीच नई दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में कांग्रेस के शह पर किये गये सिखों के नरसंहार के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा। चीमा ने कहा कि विरोध प्रदर्शन इस वास्तविकता पर कांग्रेस पार्टी की आंखें खोल देगा।

बोफोर्स मामला सीबीआई की अपील खारिज

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को सीबीआई की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें एजेंसी ने दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा 2005 में ब्रिटेन के हिंदुजा बंधुओं को 155 एमएम होवित्जर बोफोर्स तोप की खरीद में कथित श्वितखोरी के आरोपों से बरी करने के आदेश को चुनौती दी थी। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति केएम जोसेफ और न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता की पीठ ने इस अपील को खारिज कर दिया।

हज्जा में बृहस्पतिवार को अपने बच्चों को पेड़ के पत्ते पीसकर खिलाने को मजबूर गरीबी की मार झेल रहा यमन का एक परिवार।

सवा करोड़ के प्लॉट का सौदा कर थमाई हाथों में नोटों की गड्डी, गौर से देखा तो उड़ गए मालिक के होश

गाजियाबाद। बिल्डर से सवा करोड़ के प्लॉट का सौदा कर 65 लाख रुपये के बदले बैग में कागजों की गड्डियां देकर झांसा देने का मामला सामने आया है। तहसील में रजिष्ट्री के समय धोखाधड़ी के इस मामले में बिल्डर ने सिहानीगेट थाने में रिपोर्ट में प्रोपर्टी खरीदवाने वाले ब्रोकर को नामजद कराया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। धोखाधड़ी की यह घटना गुरुवार को तहसील में हुई। धोखाधड़ी के शिकार बिल्डर आर एन ग्रोवर यहां नेहरू नगर में रहते हैं। दिल्ली निवासी ग्रोवर प्रापर्टी कारोबारी हैं। उनकी शालीमार गार्डन में स्थित प्लॉट को बेचने का सौदा प्रापर्टी ब्रोकर नरेश कौशिक से हुई थी। नरेश ने यह सौदा करीब एक करोड़ तैंतीस लाख में कराया। खरीदने वाले ने ब्रोकर के माध्यम से ग्रोवर को सर्किल रेट के हिसाब से 58 लाख का ऑनलाइन भुगतान कर दिया। खरीदार पार्टी की ओर से रजिस्ट्री होने के बाद नरेश कौशिक ने ग्रोवर को 65 लाख रुपये से भरा बैग दे दिया। ग्रोवर का कहना है कि उन्होंने बैग खोलकर असली नोट देखे और कुछ गिने भी थे। इसी दौरान मोबाइल पर घंटी बजने पर वह नगदी भरा बैग अधिवक्ता के चैंबर में ही रखकर फोन सुनने के लिए बाहर निकल गए। कुछ समय बाद वापस आया तो देखा तो बैग में गुलाबी रंग के कागजों की गड्डियां निकलीं। यह देख वह हैरान हो गए। .

चंदे वाली पर्चियां थीं:

ग्रोवर ने पुलिस को बताया कि कागजों की गड्डियों पर 'जय माता दी' लिखा था। पीले रंग की पर्चियां चंदे वाली पर्ची की तरह थी। इसके बाद वह ब्रोकर नरेश कौशिक से बात करने शालीमार गार्डन गए, वहां से शालीमार गार्डन पुलिस चौकी गए। चौकी वाले ने उन्हें साहिबाबाद थाने भेज दिया। .

सिहानीगेट थाने में रिपोर्ट दर्ज:

सिहानीगेट थाने के प्रभारी निरीक्षक संजय पांडेय ने बताया कि धोखाधड़ी के इस मामले की शिकायत मिलने पर आरोपी प्रॉपर्टी ब्रोकर नरेश कौशिक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

रेलवे भर्ती परीक्षा में सॉल्वर गैंग पकड़ा,
परीक्षा में 100% पास कराने का देते थे भरोसा

नोएडा। यूपी एसटीएफ ने शुक्रवार को रेलवे भर्ती बोर्ड ग्रुप डी की ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षाओं में मूल अभ्यर्थियों के स्थान पर सॉल्वर बैठाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। एसटीएफ की नोएडा इकाई ने सेक्टर-62 स्थित परीक्षा केंद्र से गिरोह के सरगना व तीन सॉल्वर समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है।

सरगना अब तक चंडीगढ़, नोएडा, हरियाणा, पंजाब में हुई ऑनलाइन परीक्षा में 200 से अधिक मूल अभ्यर्थियों से करोड़ों रुपये लेकर उनके स्थान पर भाड़े के सॉल्वर बैठा चुका है।

एसटीएफ के उपाधीक्षक राजकुमार मिश्रा ने बताया कि सेक्टर-62 स्थित परीक्षा केंद्र पर रेलवे भर्ती बोर्ड ग्रुप-डी की ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षा चल रही है। पुलिस को जानकारी मिली थी कि केंद्र पर परीक्षा में धांधली करने के लिए गिरोह के कुछ सक्रिय सदस्य आ रहे हैं। लिहाजा एसटीएफ की टीम ने 11:30 बजे घेराबंदी कर केंद्र से सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान संजीत दहिया, नवीन कुमार, विक्रांत, सुमित, सन्नी, गजेंद्र और सुबोध के रूप में हुई है।

दहिया और नवीन हरियाणा के सोनीपत के रहने वाले हैं। विक्रांत और सुमित बागपत से हैं। वहीं सन्नी, गजेंद्र और सुबोध बिहार के रहने वाले हैं। इनमें से तीन सॉल्वर हैं, जो परीक्षा देने के लिए आए थे। आरोपियों के पास से 4 लाख 51 हजार रुपये, 100 से अधिक अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र व तीन कारें बरामद हुई हैं। संजीत दहिया गिरोह का सरगना है।

प्रतियोगियों को फंसाते थे

दिल्ली के मुखर्जी नगर में पीसीएस आदि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लड़कों को मोटी रकम देकर सॉल्वर के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा था। गिरोह का सरगना परीक्षा में पास कराने का दावा कर एक अभ्यार्थी से 2 से 6 लाख रुपये लेता था। अभ्यर्थियों को परीक्षा में 100 फीसदी पास कराने का भरोसा दिया जाता था।

सॉल्वर को देते थे 50 हजार

यह गैंग दिल्ली के मुखर्जी नगर में पिछले कई वर्षों का अनुभव रखने वाले और परीक्षा में सफल हो चुके अभ्यर्थियों को लालच देकर सॉल्वर बनाते थे। इसके लिए गैंग लीडर संजीत खुद भी मुखर्जी नगर जाकर लोगों से सपंर्क करता था और एक बार परीक्षा देने के लिए 40-50 हजार रुपये का लालच देता था। परीक्षा दिलाने के बाद उन्हें पैसे अलग-अलग किस्त में दिए जाते थे।

बुलंदशहर के पांच अभ्यर्थियों से लिए थे रुपये

एक माह पहले ऑनलाइन परीक्षा पास कराने के नाम पर आरोपियों ने बुलंदशहर के पांच अभ्यर्थियों से लाखों रुपये लिए थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने इन पांचों अभ्यर्थियों की परीक्षा सॉल्वरों से नहीं दिलाई है।

गैंग का एक सदस्य रेलवे में नौकरी करता है

पकड़े गए गैंग का एक सदस्य सुमित रेलवे में ट्रेकमैन के पद दिल्ली मंडल में काम कर रहा है। वर्तमान में बड़ौत रेलवे स्टेशन से कांधला के बीच उसकी तैनाती है। आरोपी खेल कोटे से वर्ष 2013 में भर्ती हुआ था। उसने नेशनल जूनियर रेसलिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीत था।

कोचिंग सेंटर चलाता था

गैंग के सदस्य सन्नी ने स्नातक की परीक्षा पास की है। वह जनपद हरनोत में चोकिंग सेंटर चलाता था। यह कोंचिंग सेंटर इसलिए खोला गया था, ताकि छात्रों से पैसे लेकर उनको प्रतियोगी परीक्षाओं में पास कराने लालच देकर फंसाया जा सके।

कल से आपका होगा सिग्नेचर ब्रिज, जानें आखिकर क्यों इसे बनाने में लगे 11 साल

नई दिल्ली। 11 साल के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार दिल्ली का सिग्नेचर ब्रिज जनता के लिए खुल जाएगा।

इस ब्रिज का उद्घाटन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 4 नवंबर को करेंगे।जनता इसका 5 नवंबर से उपयोग कर सकेगी।

इसके खुलने पर उत्तर-पूर्वी दिल्ली के लोगों का 45 मिनट का सफर 10 मिनट में पूरा हो सकेगा।

अभी मजनू के टीले से भजनपुरा चौक तक का सफर तय करने में लोगों को जाम का सामना करना पड़ता है। उद्घाटन के बाद लेजर शो कार्यक्रम भी रखा गया है। परियोजना पर दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी) ने काम किया है।

अंतिम रूप देना बाकी : सिग्नेचर ब्रिज का काम लगभग पूरा हो गया है, लेकिन अंतिम रूप देना बाकी है, जो 31 मार्च तक ही पूरा हो पाएगा।

ब्रिज को आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा, लेकिन पिलर के ऊपर बने 22 मीटर वाले खंड पर लोग 31 मार्च के बाद ही जा पाएंगे। इस 22 मीटर वाले खंड में काम जारी है।

यहां ग्लास हाउस बनाया जाएगा, जिससे पूरी दिल्ली का पैनोरोमिक व्यू देखने को मिलेगा। विभाग के अधिकारी ने बताया कि पिलर के ऊपर जाने के लिए दोनों तरफ चार लिफ्ट लगाई गई हैं, जिससे आठ लोग ऊपर जा सकेंगे। ऊपरी हिस्से में 50 लोगों के खड़े रहने की व्यवस्था होगी।

19 स्टे केबल्स : सिग्नेचर ब्रिज के मुख्य पिलर की ऊंचाई 154 मीटर है। ब्रिज पर 19 स्टे केबल्स हैं, जिन पर ब्रिज का 350 मीटर भाग बगैर किसी पिलर के रोका गया है। पिलर के ऊपरी भाग में चारों तरफ शीशे लगाए गए हैं।

इस दौरान मेट्रो का 248 किलोमीटर नेटवर्क बन गया : 1.8 किलोमीटर लंबे सिग्नेचर ब्रिज पर 2007 से 2018 के बीच काम चालू और बंद हो रहा था। उसी दौरान मेट्रो ने 248 किलोमीटर के नेटवर्क का निर्माण कर परिचालन भी शुरू कर दिया।

मेट्रो ने इन 11 सालों में मेट्रो फेज चार के 124.93 किलोमीटर और मेट्रो फेज तीन के अक्टूबर 2018 तक 123.78 किलोमीटर के नेटवर्क का निर्माण कर परिचालन भी शुरू कर दिया।

30 एकड़ में फैला अक्षरधाम सात साल में हुआ तैयार : दिल्ली का अक्षरधाम मंदिर 30 एकड़ में फैला है। यह 356 फीट लंबा और 141 फीट ऊंचा है। 2007 में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बुक ने इसे दुनिया का सबसे ऊंचा मंदिर होने का प्रमाण पत्र भी दिया था।

सिग्नेचर ब्रिज के निर्माण समय से इसकी तुलना करें तो यह महज आधे से भी कम समय में पूरा हो गया। अक्षरधाम का निर्माण 2000 में शुरू हुआ और 2006 में आम लोगों के लिए खुल गया।

सिग्नेचर ब्रिज को पर्यटन का केंद्र बनाने के लिए आसपास के क्षेत्र में सौंदर्यीकरण किया गया है। करीब 1.8 किमी लंबे इस ब्रिज का 575 मीटर व 251 मीटर क्षेत्र केबल पर आधारित है। इस ब्रिज के दोनों ओर चार-चार लेन की सड़क होगी।

इस ब्रिज के मध्य में 154 मीटर का पिलर है। पिलर में ही लिफ्ट की व्यवस्था की गई है। रात के समय सुंदरता बढ़ाने के लिए मुख्य पुल में स्ट्रीट लाइटिंग व हाई मास्ट लाइटिंग की गई है। .

देरी के ये दो बड़े कारण

वन विभाग का क्षेत्र शामिल होने के कारण पर्यावरण मंजूरी मिलने में दो साल लग गए। खजूरी के पास खुदाई के दौरान एक बड़ी चट्टान, जिससे डिजाइन में बदलाव करना पड़ा।

निर्माण के लिए बोर करने के लिए जगह बनाने की कोशिश नाकाम रही ' 2013 में आई बाढ़ के कारण निर्माण कार्य प्रभावित ' बजट अलॉटमेंट भी लेटलतीफी होती रही।

कश्मीरी छात्र के ISJK आतंकी बनने की खबर पर उमर अब्दुल्ला ने कही ये बात, शारदा यूनिवर्सिटी में पढ़ रहा था बिलाल

ग्रेटर नोएडा। एजेंसी। ग्रेटर नोएडा की शारदा यूनिवर्सिटी के एक छात्र के आतंकवादी ग्रुप में शामिल होने की खबर पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने चिंता जताई है। श्रीनगर के खानयार इलाके का रहने वाला एहतेशाम बिलाल सोफी (17) ग्रेटर नोएडा की शारदा यूनिवर्सिटी से स्नातक की पढ़ाई कर रहा था। उमर अब्दुल्ला ने ट्वीट कर कहा, ' 'यदि यह (सोफी के आतंकवादी समूह में शामिल होने संबंधी सोशल मीडिया पोस्ट) सही है तो बहुत चिंताजनक है।

न्यूयार्क : संयुक्त राष्ट्र स्थित म्यूजियम ऑफ मॉडर्न आर्ट में बृहस्पतिवार को ''दि प्राइस ऑफ फ्री' की स्पेशल स्क्रीनिंग के मौके पर वीमेन एम्बेसडर फॉर इनोवेशन रीशेल राय (बाएं) भारत के बाल अधिकार संरक्षण कार्यकर्ता और नोबेल शांति पुरस्कार विजेताकैलाश सत्यार्थी, निदेशक डेरेक डोनरीन और डिजाइनर डेरेक ब्लैसबर्ग।

मंदिर मुद्दा | राम मंदिर प्राथमिकता में नहीं होने की बात पर संघ के सर कार्यवाह भैयाजी जोशी बोले

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से हिंदू अपमानित

मुम्बई ■ एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शुक्रवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय की इस टिप्पणी से हिंदू अपमानित महसूस कर रहे हैं कि अयोध्या का मुद्दा प्राथमिकता वाला नहीं है। संघ ने जोर देते हुए कहा कि राम मंदिर के मुद्दे पर कोई विकल्प नहीं रहा तो अध्यादेश लाना जरूरी होगा।

1992 जैसा आंदोलन करेंगे: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह भैयाजी जोशी ने कहा, अगर जरूरत पड़ी तो संघ राम मंदिर के लिए आंदोलन शुरू करने में भी नहीं हिचकेगा, लेकिन मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन होने की वजह से कुछ सीमाएं हैं। उन्होंने यह बात तब कही जब पूछा गया कि था कि क्या संघ राम मंदिर निर्माण के लिए 1990 के दशक जैसा आंदोलन शुरू करेगा। जोशी ने यह भी कहा कि संघ अयोध्या में राम मंदिर के लिए 30 साल से आंदोलन कर रहा है।

आरएसएस के सरकार्यवाहक भैय्या जी जोशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और राम मंदिर को लेकर बड़ा बयान दिया है। साथ ही साथ उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अध्यक्ष अमित शाह और संघ प्रमुख मोहन भागवत के बीच हुई बैठक की पुष्टि की।

सरकार पर दबाव नहीं: भाजपा की सहयोगी शिवसेना के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि अगर संघ को लगता है कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए आंदोलन शुरू करने की जरूरत है तो उसे नरेंद्र मोदी सरकार को गिरा देना चाहिए । ठाण के उत्तन में संघ की तीन दिनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के समापन पर जोशी ने कहा कि संघ इसके लिए सरकार पर कोई दबाव नहीं बना रहा क्योंकि हम कानून और संविधान का सम्मान करते हैं। शुक्रवार सुबह भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने संघ प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात की जिसमें अनेक मुद्दों के साथ राम मंदिर के विषय पर भी चर्चा हुई।

प्रदूषण के स्तर में हुआ मामूली सुधार, हालात अब भी 'बहुत खराब'

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अन्य दिनों की तुलना में शनिवार को प्रदूषण का स्तर थोड़ा कम हुआ है। हालांकि, यह अभी भी 'बहुत खराब' की श्रेणी में बना हुआ है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 346 दर्ज किया गया जो 'बहुत खराब' की श्रेणी में आता है।

वजीरपुर इलाके को 'गंभीर वायु गुणवत्ता' में जबकि 34 अन्य इलाकों को 'बहुत खराब' की श्रेणी में रखा गया है।

हवा में निलंबित कण या पीएम 2.5 का स्तर 175 दर्ज किया गया। यह कण पीएम 10 से भी छोटे होते हैं और सेहत को ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं।

केन्द्र द्वारा संचालित वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान एवं अनुसंधान प्रणाली (एसएएफएआर) के आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली में पीएम10 का स्तर 302 पर बना हुआ है। एसएएफएआर के अनुसार पांच नवम्बर से प्रतिकूल मौसम के हालात होने की आशंका से वायु गुणवत्ता 'गंभीर श्रेणी' में आ सकती है। लेकिन पांच नवम्बर तक हालात ऐसे ही बने रह सकते हैं।

उन्होंने बताया कि दिल्ली में पीएम 2.5 प्रदूषण का दस फीसदी हिस्सा, पराली जलाने से आया है। गौरतलब है कि एक्यूआई का स्तर 0 से 50 के बीच ' 'अच्छा'' माना जाता है।

51 से 100 के बीच यह ' 'संतोषजनक'' स्तर पर होता है और 101 से 200 के बीच इसे ' 'मध्यम'' श्रेणी में रखा जाता है। हवा की गुणवत्ता का सूचकांक 201 से 300 के बीच ' 'खराब'', 301 से 400 के बीच ' 'बहुत खराब'' और 401 से 500 के बीच ' 'अत्यंत गंभीर'' स्तर पर माना जाता है।

संपादकीय

सरकार विरोधी मोर्चा की संभावना

प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की विपक्षी नेताओं से मुलाकात के कारण चुनाव पूर्व सरकार विरोधी मोर्चा की संभावना को बल मिला है। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी से उनकी मुलाकात इस मायने में महत्त्वपूर्ण है कि इससे आंध्र प्रदेश में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन और कांग्रेस के अन्य दलों के साथ आने का रास्ता निकल सकता है। राहुल से मुलाकात के पहले नायडू मायावती, मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव, शरद पवार, फारु क अब्दुल्ला से मिल चुके हैं। इस तरह वे एक कड़ी की भूमिका में इस समय दिख रहे हैं। राहुल से मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि हम लोग पुरानी बातों को भूलकर देश और लोकतंत्र को बचाने के लिए साथ काम करेंगे। हालांकि राहुल की बातों में नया कुछ नहीं था, लेकिन मिलने और साथ आकर मीडिया से बात करने के कारण गोलबंदी का एक वातावरण बनते हुए तो दिखता ही है। बाद में अब्दुल्ला और पवार के साथ पत्रकारों से बातें करते हुए भी उसी पर जोर दिया गया। पवार ने एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम तक की बात कह दी। मीडिया से हुई इन दोनों बातों से यह तो साफहो गया कि ये सरकार के विरु द्ध प्रमुख संस्थाओं की आजादी पर हमला कर लोकतंत्र को नष्ट करने और भ्रष्टाचार को प्रमुख मुद्दा बनाने की कोशिश करेंगे। नायडू ने ''सेव नेशन सेव डेमोक्रेसी' का नारा भी दिया। जैसा पवार ने कहा कि योजना तैयार करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में एक बैठक आयोजित की जाएगी। इसका मतलब हुआ कि इन मुलाकातों के दौर खत्म होने के बाद नायडू इन नेताओं को एक साथ बिठाएंगे। जितने नेता एक साथ आएंगे उनसे ये यह दावा कर सकेंगे कि हम मोदी सरकार एवं भाजपा के खिलाफ एकजुट हैं और गठबंधन की दिशा में बढ़ रहे हैं। हालांकि अभी इन कवायदों से बड़ा निष्कर्ष निकाल लेना जल्दबाजी होगा। सभी राज्यों और वहां के प्रमुख दलों की अपनी सियासी आकांक्षाएं और जमीनी वास्तविकताओं की किसी भी गठबंधन में प्रमुख भूमिका होती है। बावजूद इसके इन कवायदों के संभावित राजनीतिक प्रभावों को खारिज नहीं किया जा सकता है। चुनाव पूर्व गठबंधन में जितनी सफलता मिलेगी वह अपनी जगह है ही। अगर परिणाम बाद ऐसी स्थिति आई, जिसमें भाजपा या राजग को बहुमत नहीं मिला तब चंद्रबाबू नायडू की केंद्रीय भूमिका के कारण एक मोर्चा बन सकता है।

सूचना प्रशासन

जम्मू संभाग के किश्तवार इलाके में भाजपा के प्रदेश सचिव एवं उनके भाई की आतंकवादियों द्वारा हत्या ने एक साथ कई भयानक संकेत दिए हैं। इस आतंकवादी वारदात का आरोप लश्कर-ए-तैयबा पर लगाया गया है। किश्तवार के इलाकों में काफी समय से कोई आतंकवादी घटना नहीं हुई थी। इस हमले का अर्थ है कि आतंकवादी उस क्षेत्र में आ चुके हैं। आगामी 19 नवम्बर के पंचायत चुनाव को देखते हुए वहां और भी हमले की योजना वे बना रह होंगे। पहला संकेत तो यही है कि आतंकवादी पंचायत चुनाव को हर हाल में विफल करना चाहते हैं। इसके पहले नगर निकायों के चुनावों में पूरे जम्मू संभाग में भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया और उसमें भाजपा को काफी सफलता मिली। यह बिल्कुल संभव कि प्रदेश के एक बड़े भाजपा नेता का अंत कर वे भाजपा समर्थकों के साथ मतदाताओं को भी भयभीत करना चाहते हैं। भाजपा प्रदेश सचिव अनिल परिहार इसके पूर्व स्थानीय चुनावों में काफी सक्रिय थे। घाटी में भी पार्टी ने उनको भेजा था। वहां भी चुनाव में उन्होंने काम किया था। इस कारण भी आतंकवादियों की उन पर नजर रही होगी। जैसा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कुछ दिनों पहले खुफिया के एक अधिकारी उनसे मिलने आए थे, जिन्होंने बताया था कि आतंकवादी भाजपा के नेताओं को निशाना बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं। यह सूचना प्रशासन को बिल्कुल रही होगी। इस समय प्रदेश राज्यपाल शासन में है इसलिए राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की स्थिति नहीं है। किंतु किसी भी स्थिति में आतंकवादियों के इरादों को सफल न होने देना ही इसका करारा प्रत्युत्तर है। पंचायत चुनावों में भारी संख्या में मतदान कर उनको जताया जा सकता है कि आतंकवादी हमलों से डरकर लोग पीछे नहीं हटने वाले। सुरक्षा की जितनी संभव व्यवस्था हो की जानी चाहिए ताकि लोग निर्भय होकर मतदान कर सकें। बावजूद इसके यह घटना बताती है कि आतंकवाद के संघर्ष में अभी अनेक लोगों को अपने या परिजनों की बलि चढ़ने के लिए तैयार रहना होगा। यही जज्बा आतंकवाद को परास्त करेगा। आतंकवादियों को यह गलतफहमी नहीं पालनी चाहिए कि वे अपनी बंदूकों के बल पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का गला घोंटने के अपने गंदे लक्ष्यों में सफल नहीं हो सकते।

सत्संग

मन

कल्पना कामना नहीं है, मात्र एक खेल है। कामना तो बिल्कुल अलग बात है। लेकिन तुम अपनी कल्पना को कामना पर आधारित कर सकते हो, तुम अपनी कामना को कल्पना द्वारा प्रक्षेपित कर सकते हो, तब वह बंधन हो जाएगी। यदि तुम कल्पना के साथ बिना किसी कामना के खेलते हो-न कहीं पहुंचने के लिए, न कुछ पाने के लिए, बस एक खेल की तरह उसे लेते हो-तब तुम्हारी कल्पना न कामना होती है, न बंधन। कल्पना की ये विधियां केवल तभी सहयोगी हो सकती हैं यदि तुम उनके साथ खेलो। यदि तुम गंभीर हो गए तो सारी बात ही चूक गए। लेकिन प्रश्न संगत है। क्योंकि वास्तव में, तुम सोच ही नहीं सकते कि बिना कामना के कुछ किया जा सकता है। तुम तो अगर खेलते भी हो तो कहीं पहुंचने के लिए, कुछ पाने के लिए, जीतने के लिए। यदि भविष्य में कुछ भी मिलने वाला न हो तो तुम्हारा सारा रस खो जाएगा। तुम कहोगे, ''फिर खेलें ही क्यों?' हम इतने परिणाम-उन्मुख हैं कि हर चीज को साधन बना लेते हैं। इसे स्मरण रखना चाहिए: ध्यान तो परम लीला है, कुछ पाने के लिए, साधन नहीं है, ध्यान बुद्धत्व पाने के लिए साधन नहीं है। ध्यान से बुद्धत्व घटता है, लेकिन ध्यान उसके लिए साधन नहीं है। न ही ध्यान मोक्ष के लिए साधन है। मोक्ष उससे घटता है, लेकिन ध्यान उस के लिए साधन नहीं है। तुम ध्यान का किसी फल की प्राप्ति के लिए उपयोग नहीं कर सकते। यह बड़ी हैरानी की बात है कि जिन्होंने भी जाना है, वे सदियों से ध्यान के लिए ही ध्यान करने पर जोर देते रहे हैं। उससे कुछ पाने की कामना मत करो, उसका आनंद लो, उससे बाहर कोई लक्ष्य मत बनाओ-और बुद्धत्व उसका परिणाम होगा। स्मरण रखो, परिणाम, फल नहीं। ध्यान कोई कारण नहीं है, लेकिन ध्यान में तुम गहरे डूबते हो तो बुद्धत्व घट जाता है। असल में, इस खेल में गहरे डूब जाना ही बुद्धत्व है। लेकिन मन हर चीज को कार्य बना लेता है। मन कहता है, कुछ करो क्योंकि उससे यह लाभ होगा। काल्पनिक या वास्तविक, मन को कुछ चाहिए जिससे सहारा मिल सके, जिसे मन प्रक्षेपित कर सके। केवल तभी मन चल सकता है। मन भविष्य के लिए वर्तमान में काम करता है। भविष्य चाहे काल्पनिक ही हो, चाहे कभी आए ही न, लेकिन मन केवल भविष्य की आशा में ही काम कर सकता है। भविष्य के लिए वर्तमान में काम करने को ही कामना कहते हैं।

''माउंटबेटेन प्लान'

कश्मीर के महाराजा, हैदराबाद के निजाम और जूनागढ़ के नवाब द्वारा अब तक किसी भी संघ में विलय नहीं किया गया था। हरि सिंह द्वारा अब तक भारत में शामिल नहीं होने के निर्णय से आशंका यह भी बन रही थी कि वह पाकिस्तान में भी विलय चाहते हों। प्रांतीय सरकार द्वारा पाकिस्तान के साथ ''स्टैंड स्टील एग्रीमेंट' के बाद ऐसे कयास और तेज होने लगे थे। ब्रिटिश भारतीय शासन द्वारा तैयार किए गए इस एग्रीमेंट के तहत रियासतों द्वारा किसी भी संघ में विलय की अवधि तक सार्वजनिक क्षेत्र के सभी प्रशासनिक व्यवस्थाएं हूबहू लागू रखने का प्रावधान था, जिसे भारत ने ठुकरा दिया और पाकिस्तान ने बिना कोई देरी किए स्वीकार कर लिया।

सतीश पेडणोकर

1947 में भारत से अंग्रेजों की विदाई के साथ ही रियासतों के समक्ष भारत या पाकिस्तान में विलय संबंधी निर्णय लेने की चुनौतीपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो चुकी थी। 3 जून 1947 को घोषित ''माउंटबेटेन प्लान' के तहत स्पष्ट हो चुका था कि भारतीय रियासतों पर ब्रिटिश स्वामित्व समाप्त होकर इन रियासतों को भारत या पाकिस्तान किसी एक में शामिल होना होगा। ब्रिटिश संसद द्वारा भारत और भावी पाकिस्तान को 15 अगसत 1947 तक सत्ता हस्तनांतरित करने के लिए ''इंडियन इंडीपेंडेंस एक्ट' के तहत रियासतों की विलय प्रक्रिया शुरू हुई। 15 अगस्त तक अधिकांश राजाओं द्वारा भारतीय संघ में शामिल होने की घोषणा हो चुकी थी, लेकिन कुछ राजा पाकिस्तान में शामिल होने का मंसूबा पाले बैठे थे। कश्मीर के महाराजा, हैदराबाद के निजाम और जूनागढ़ के नवाब द्वारा अब तक किसी भी संघ में विलय नहीं किया गया था। हरि सिंह द्वारा अब तक भारत में शामिल नहीं होने के निर्णय से आशंका यह भी बन रही थी कि वह पाकिस्तान में भी विलय चाहते हों। प्रांतीय सरकार द्वारा पाकिस्तान के साथ ''स्टैंड स्टील एग्रीमेंट' के बाद ऐसे कयास और तेज होने लगे थे। ब्रिटिश भारतीय शासन द्वारा तैयार किए गए इस एग्रीमेंट के तहत रियासतों द्वारा किसी भी संघ में विलय की अवधि तक सार्वजनिक क्षेत्र के सभी प्रशासनिक व्यवस्थाएं हूबहू लागू रखने का प्रावधान था, जिसे भारत ने ठुकरा दिया और पाकिस्तान ने बिना कोई देरी किए स्वीकार कर लिया। भौगोलिक-आर्थिक कारणों से भी कश्मीर का पाकिस्तान में मिलने की संभावनाएं चिंताएं बढ़ा रही थीं। निश्चित ही कश्मीर के अहम भौगोलिक संचार माध्यम और आर्थिकी संपर्क पश्चिमी पंजाब और उत्तर-पश्चिम के सीमांत राज्यों से जुड़े थे, जो विभाजन के बाद पाकिस्तान में थे। उस समय की एकमात्र रेल लाइन जो जम्मू-कश्मीर को जोड़ती थी, उत्तर-पश्चिम रेलवे की ही लिंक लाइन थी। पाकिस्तान में विलय की घोषणा में देरी के कारण कश्मीर को पेट्रोल, गेहूं और नमक जैसी आवश्यक सामग्री की आपूत्तर्ि में बाधा भी झेलनी पड़ी। ऐसे तमाम हथकंडों से पाकिस्तान दबाव बनाकर कश्मीर को अपने में शामिल कराने का हरसंभव प्रयास करता रहा। हरि सिंह के ढुलमुल रवैये से भी पाक के मंसूबों को बल मिलता रहा। अंतत: 22 अक्टूबर 1947 को पाकिस्तान समर्थित कबायलियों द्वारा जम्मू-कश्मीर पर किए गए हमले से अपनी और राज्य के बचाव के मद्देनजर राजा हरि सिंह ने 27 अक्टूबर 1947 को भारतीय संघ में कश्मीर के विलय की घोषणा कर दी। इसी सुबह पहले सिख रेजीमेंट के लगभग 300 सैनिकों द्वारा श्रीनगर पहुंचकर पाकिस्तानी घुसपैठियों पर काबू पाने की तेज कार्रवाई कर हवाई अड्डा परिसर को अपने कब्जे में किया गया। इस लड़ाई में स्वयं कश्मीरी भी पाकिस्तानी घुसपैठियों का मुकाबला कर रहे थे। कहा जाता है कि एक घंटे की देरी भी भारतीय सेना के लिए बड़ी मुसीबत बन सकती थी। विभाजन की आग में कई जगहों पर धर्म आधारित हिंसक घटनाएं सामाजिक सौहार्द बिगाड़ रही थीं। महत्त्वपूर्ण है कि आज सात दशक बाद भी कश्मीर-विवाद एक ज्वलंत विषय बना हुआ है। इस स्थिति में बड़ा सवाल है कि इस विवाद का निपटारा अब तक क्यों नहीं हो पाया? अलगाववाद, उग्रवाद और अब आतंकवाद की चपेट में कश्मीर क्यों झुलस रहा है? ऐसे तमाम सवालों के जवाब में ऐतिहासिक तयों की भूमिका अहम है। 1846 में ईस्ट इंडिया कंपनी के एजेंटों द्वारा जम्मू-कश्मीर को राजा गुलाब सिंह को लगभग 70 लाख नानकशाही रूप में बेच दिया गया था, जिसका तत्कालीन गवर्नर शेख इमामुद्दीन द्वारा विरोध भी हुआ था। अमृतसर संधि के तहत जम्मू-कश्मीर पर गुलाब सिंह के स्वामित्व और संधि की राजनीतिक-नैतिक स्थितियों को कश्मीरी नेताओं द्वारा कई अवसरों पर चुनौती भी मिलती रही है। उनके अनुसार इस संधि में कश्मीरियों को पार्टी नहीं बनाया जाना असंतोष की जड़ बनी। सन् 1925 में हरि सिंह कश्मीर के राजा बने। दूसरी ओर 1932 में शेख अब्दुल्ला ने ''मुस्लिम कांफ्रेंस' की स्थापना कर अधीनस्थ मुसलमानों के अधिकारों के हिमायती के रूप में घाटी से प्रांतीय शासन समाप्त करने का मोर्चा संभाल लिया था। गांधीजी के आह्वान पर शेख अब्दुल्ला की मुस्लिम कांफ्रेंस को नेशनल कांफ्रेंस बनाकर इसे न केवल मुस्लिम हिमायत की पहचान तक सीमित रखा बल्कि प्रांतीय शासकों के खिलाफउनकी लड़ाई में राज्य हित के मुद्दे भी शामिल किया। पंडित नेहरू से करीबी के बाद शेख की राजनीति पहले से ज्यादा मुखर हो गई। 1946 में अब्दुल्ला ने ''कश्मीर-छोड़ो' आंदोलन से शक्ति प्रदर्शन भी किया, जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी भी हुई। शेख के प्रति नेहरू की संवेदनशीलता का अंदाजा इस घटना से भी लगाया जा सकता है कि जून 1946 में उन्हें रिहा कराने के लिए नेहरू ने कश्मीर जाने की घोषणा कर दी थी। कुल मिलाकर, भारत की धर्मनिरपेक्षता, कश्मीरियत में नेहरू और शेख अब्दुल्ला का विास और अंतत: हरि सिंह की मजबूरी के बीच जम्मू-कश्मीर भारतीय संघ का अंग बन गया। अन्य राज्यों के मुकाबले जम्मू-कश्मीर को विशेष अधिकार देने वाले अनुच्छेद 370 के तहत भारतीय संसद को सिर्फरक्षा, विदेश मामले और संचार से संबंधित कानून बनाने का अधिकार प्राप्त रहा है। इसकी आत्मा कही जाने वाली धारा 35ए वहां के नागरिकों को विशेष अधिकार देता है। मसले की नाजुकता के बावजूद आए दिन धारा 370 को समाप्त करने की राजनीतिक वकालत होती रही है। देश के एकीकरण में सरदार पटेल के योगदान प्रशंसनीय हैं। 1946 के कैबिनेट मिशन की प्रस्तावित योजना के तहत पूरा बंगाल, पंजाब और असम पाकिस्तान का हिस्सा बनने जा रहा था। दूरदर्शी पटेल ने प्रस्तावना का कड़े शब्दों में विरोध करते हुए कहा, ''यह प्रस्ताव तो पाकिस्तान बनाने के प्रस्ताव से भी ज्यादा खराब है।' बाद में एक बार फिर से 20 फरवरी 1947 को एटली नीति के तहत पंजाब, बंगाल और असम जिन्ना के खाते में डाले जाने का प्रस्ताव रखा गया। दोबारा लाए गए इस प्रस्ताव को सिरे से ठुकराते हुए पटेल ने पंजाब और बंगाल के विभाजन का प्रस्ताव पेश कर दिया और पूरा असम भारत का हिस्सा बना। सच भी है कि यदि राजा 15 अगस्त 1947 को अपनी हठधर्मिता त्यागकर भारत में विलय कर दिया होता तो समस्या पैदा ही नहीं होती। नि:संदेह, कश्मीर मसले को संयुक्त राष्ट्र में ले जाने जैसी कवायद पंडित नेहरू की बड़ी चूक थी। 31 अक्टूबर को लौह पुरुष की जयंती पर उनका स्मरण राष्ट्रीय एकता के संकल्पों की याद दिलाता है।

चलते चलते

ऑफ डुइंग बिजनस

क्या रुपया यों ही गिरता रहेगा और सरकार कुछ नहीं करेगी? उ. ईज ऑफडुइंग बिजनस में देश ऊपर चढ़ता रहे, इसके लिए सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। प्र. और क्या सरकार रिजर्व बैंक से यों ही लड़ती रहेगी? उ. कहा न सरकार कुछ भी करेगी। प्र. उसके लिए रिजर्व बैंक से लड़ना क्या जरूरी है?उ. दुनिया के आगे देश की इज्जत का सवाल है। देश की इज्जत बढ़ाने के रास्ते में कोई भी आए, यह सरकार हर्गिज बर्दाश्त नहीं करेगी।

रुपया और गिर गया उ. ईज ऑफ डुइंग बिजनस में देश ऊपर भी तो उठ गया। प्र. डालर 74 रुपये का हो गया। रुपया इतना नीचे कभी नहीं गिरा था?उ. ईज ऑफ डुइंग बिजनस में इंडिया 73 वें स्थान तक भी तो कभी नहीं चढ़ा था। प्र. तो क्या रुपया यों ही गिरता रहेगा और सरकार कुछ नहीं करेगी? उ. ईज ऑफडुइंग बिजनस में देश ऊपर चढ़ता रहे, इसके लिए सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। प्र. और क्या सरकार रिजर्व बैंक से यों ही लड़ती रहेगी? उ. कहा न सरकार कुछ भी करेगी। प्र. उसके लिए रिजर्व बैंक से लड़ना क्या जरूरी है?

उ.दुनिया के आगे देश की इज्जत का सवाल है। देश की इज्जत बढ़ाने के रास्ते में कोई भी आए, यह सरकार हर्गिज बर्दाश्त नहीं करेगी। प्र.पर बेचारा रिजर्व बैंक ईज आफडुइंग बिजनस में कैसे आड़े आ रहा है?उ.बेचारा होता तो डुइंग बिजनस को आसान बनाने में सरकार की मदद करता? प्र.पर वह तो डुबाऊ कजरे की बाढ़ पर अंकुश लगाने की और डूबने से बैंकों को बचाने की कोशिश कर रहा है? उ.पर कर क्या रहा है? डूबने के डर से और कर्जा देने से इनकार। प्र.पर जो पहले कर्जा मारे बैठे हैं, उन्हें और कर्जा देकर बैंक खुद क्यों डूब जाएं? उ.बैंक खुद ही अगर डूबने से डरेंगे तो ईज ऑफडुइंग बिजनस कैसे बढ़ेगा? प्र.पर यह कैसा ईज आफ डुइंग बिजनस हुआ? यह तो ईज ऑफ लूटिंग हुआ?

उ.पहले ईज तो आने दो। बिजनस बढ़ता है या लूट, यह बाद में देख लेंगे। प्र. क्या लूट कर फुर्र हो जाने का ईज भी आने दें? ऐसा तो पहले कभी नहीं हुआ। उ0पहले तो इतना ईज ऑफडुइंग बिजनस भी नहीं हुआ था। फिर, हमने तो पहले ही कह दिया था कि अब वह होगा जो सत्तर साल में नहीं हुआ। प्र. 74 रुपये का डालर और 84 रुपये का पेट्रोल भी उ.सरदार पटेल का 182 मीटर का कद भी।

पीड़ितों को ''इंसाफ'

शिमपुरा नरसंहार मामले में पीड़ितों को आखिरकार ''इंसाफ' मिल गया है। इस नृशंस नरसंहार के गुनहगारों को इकतीस साल बाद ही सही अपने किए की सजा मिली है। दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में इस चर्चित मामले में निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए प्रोविंशियल आर्म्ड कॉन्स्टेबुलरी यानी पीएसी के 16 रिटायर जवानों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। जस्टिस एस. मुरलीधर और जस्टिस विनोद गोयल की पीठ ने पीएसी के जवानों को हत्या, अपहरण, आपराधिक साजिश और सबूतों को नष्ट करने का दोषी पाया। अदालत का इस बारे में कहना था कि सभी के खिलाफ मजबूत ठोस सबूत हैं। यह सीधे-सीधे हिरासत में मौत का मामला है। इस मामले में पीएसी जवानों ने मानवाधिकार का हनन किया है। न्यायपालिका से संबंधित प्रचलित धारणा है कि देर से मिला न्याय, न्याय नहीं कहलाता। फिर इस मामले में, तो इंसाफ मिलने में पूरे इकतीस साल लगे। इस दौरान नरसंहार के तीन मुजरिम, बिना सजा पाए अपनी मौत मर गए। वहीं पीड़ितों ने इंसाफ पाने के लिए क्या-क्या नहीं झेला। पीड़ित तमाम दबाव झेलते रहे, लेकिन अपने इरादे से नहीं डिगे। अदालत के इस फैसले से पीड़ितों के अपने वापस तो नहीं आ सकेंगे, पर उनके जख्मों पर कुछ मरहम जरूर लगेगा। वर्दी की आड़ में जो लोग, मजलूमों पर जुल्म-ओ-सितम ढाते हैं, उन्हें डर रहेगा कि यदि उन्होंने कुछ गलत किया, तो कानून उन्हें नहीं छोड़ेगा। कभी-न-कभी उन्हें अपने किये की सजा जरूर मिलेगी। ''हाशिमपुरा नरसंहार' नाम से पहचाने जाने वाला यह दर्दनाक मामला, साल 1987 के 22-23 मई की दरमियानी रात का है। उस वक्त पश्चिमी उत्तर प्रदेश का यह इलाका साम्प्रदायिक दंगों में झुलस रहा था। मेरठ जिले के हाशिमुपरा गांव में अचानक पीएसी के जवान आए और एक सभा से अल्पसंख्यक समुदाय के 42 से 45 नौजवानों को ट्रक में भरकर अपने साथ ले गए। बाद में पीएसी के जवानों ने ट्रक में सवार लोगों को मुरादनगर गंगनहर पर ले गए और उन्हें गोलियों से भून दिया। बाद में उनकी लाशों को नहर में फेंक दिया। इस मामले में फैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा कि यह बहुत तकलीफदेह है कि कुछ बेगुनाह लोगों को इतनी यंतणा झेलनी पड़ी और एक सरकारी एजेंसी ने उनकी जानें लीं। इस मामले की सुनवाई कर रहे न्यायाधीश ने अफसोस भरे लहजे में कहा, जांच एजेंसी और अभियोजन पक्ष दोषियों की पहचान को साबित करने लायक सबूत पेश करने में नाकाम रहा। लिहाजा मौजूदा परिस्थितियों में सभी 16 अभियुक्तों को उन पर लगाए सभी आरोपों से बरी किया जाता है। निचली अदालत द्वारा हत्या और अन्य अपराधों के आरोपित 16 पूर्व पुलिसकर्मियों को बरी करने के फैसले से पीड़ित परिवार, जरा सी भी हिम्मत नहीं हारे। पीड़ित परिवारों, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, उत्तर प्रदेश सरकार और दीगर लोगों ने इस फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी। जहां अदालत ने आखिरकार पीड़ितों के हक में इंसाफ सुनाया। हाशिमपुरा मामले में गुनहगार खुद पुलिस थी, लेकिन पुलिस के आला अधिकारियों ने ही अपने मातहतों को बचाने का काम किया। इस मामले के ज्यादातर सबूतों को दबाया गया या नष्ट कर दिया गया। सबसे हैरान कर देने वाली बात यह है कि अभियुक्त पुलिसवालों को कभी भी निलंबित नहीं किया गया। होना तो यह चाहिए कि जो इस अपराध के सहभागी या आपराधिक लापरवाही के दोषी हैं, उनकी भी इस मामले में जिम्मेदारी तय की जाए और उन्हें उनके किए की उचित सजा मिले। तभी इस मामले में पीड़ितों को सही इंसाफ मिलेगा।

फोटोग्राफी...

नई दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के बीच शुक्रवार सुबह लोधी गार्डन में बैठे दो वृद्ध।

सार समाचार

काबुल में हमले में अमेरिकी सैनिक की मौत : नाटो

काबुल। काबुल में वस्तुतः ''वस्तुतः दोस्त का भेष धरे दुश्मन' के हमले में अमेरिका का एक सैनिक की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। नाटो ने कहा है कि अफगानिस्तान में अंतरराष्ट्रीय बलों पर इस तरह का यह ताजा हमला है। नाटो के 'रिजाल्यूट सपोर्ट मिशन' ने एक बयान में कहा, ''प्रारंभिक रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि हमलावर 'अफगान राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बल' (एएनडीएसएफ) का एक सदस्य था।'' इसमें बताया गया है कि अन्य अफगान सैनिकों ने हमलावर को मार गिराया। घायल सैनिक को अफगान राजधानी के उत्तर में स्थित बगराम हवाई अड्डा ले जाया गया जहां उसका उपचार किया जा रहा है। उसकी हालत स्थिर है। बयान में बताया गया है कि घटना की जांच की जा रही है। मारे गये सैनिक की पहचान तत्काल उजागर नहीं की गई है।

अर्जेंटीना में नयी सारापोड प्रजाति के डायनासोर की खोज

ब्यूनस आयर्स। स्पेन और अर्जेंटीना के जीवाश्म वैज्ञानिकों के करीब 11 करोड़ वर्ष पहले देश के मध्य में निवास करने वाले डायनासोर के जीवाश्म की खोज की है। इसमें तीन अलग अलग डायनासोर के जीवाश्म मिले है जो सारापोड्स के शाकाहारी समूह की प्रजातियों से संबंधित हैं। इन्हें डिप्लोडोकस और ब्रोंटोसॉरस के तौर पर बेहतर तरीके से जाना जाता है। नयी प्रजाति को लावाकाटिसोरस एग्रीओनसीस का नाम दिया गया है। अर्जेंटीना के एजिडिओ फेरूग्लिओ संग्रहालय और राष्ट्रीय वैज्ञानिक शोध परिषद के शोधकर्ता जोस लुइस कार्बालिडो ने शुक्रवार को बताया, ''हमें सबसे अधिक हड्डियां मिली जिसमें नाक के आगे का हिस्सा, जबड़े, बहुत सारे दांत, आंखों के कोटरों के साथ गर्दन, पूंछ और पीठ के हिस्से भी पाये गये। इस तरह से पूरी ढांचे को फिर से बनाने में सक्षम हैं।''जीवाश्म वैज्ञानिकों ने बताया कि व्यस्क डायनासोर का जीवाश्म करीब 12 मीटर लंबा रहा होगा और दो कम उम्र के डायनासोर छह से सात मीटर के होंगे। ये सभी डायनासोर एक समूह में रहते थे और एक साथ मारे गये होंगे। स्पेन की जारगोजा विश्विविद्यालय के जोस इग्नासिओ कनुडो की अगुवाई में किए गए अध्ययन में कहा गया, एक व्यस्क और दो कम उम्र के डायनासोर के समूह विस्थापन के पहले रिकॉर्ड को भी दर्शाती है।

ईरान के साथ नया समझौता करने के लिए तैयार हैं : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के साथ एक नए व्यापक समझौते के लिए तैयार हैं लेकिन तब तक पश्चिम एशियाई देश पर सोमवार से शुरू हो रहे सख्त प्रतिबंध जारी रहेंगे। ट्रंप ने शुक्रवार देर रात एक बयान में कहा, ''अमेरिका, ईरान के साथ नया, और अधिक व्यापक समझौता करने के लिए तैयार है जो हमेशा के लिए परमाणु हथियार का उसका रास्ता रोक देगा, उसकी दुर्भावनापूर्ण हरकतों पर लगाम लगाएगा और ईरान के लोगों के लिए उपयुक्त होगा।''

नकदी संकट में फंसे पाकिस्तान को चीन देगा 'जरूरी मदद'

बीजिंग (एजेंसी)।

पाकिस्तान को वर्तमान आर्थिक संकट से उबारने के लिए चीन उसे 'जरूरी मदद' उपलब्ध कराएगा। एक शीर्ष अधिकारी ने शनिवार को यह बात कही। इससे पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने चीने प्रधानमंत्री ली क्रिंग से मुलाकात की और रणनीतिक रिश्तों को मजबूत बनाने पर चर्चा की। इसके बाद दोनों देशों ने 16 करार पर हस्ताक्षर किये। खान अपनी पहली चीन यात्रा पर शुक्रवार को यहां पहुंचे। उनकी इस यात्रा का मकसद दोनों देशों के बीच कई अरब डॉलर के सीपीईसी को लेकर मतभेदों को दूर करना है। इसके अलावा वह 'मित्र देशों' से संपर्क कर रहा है ताकि उसे कड़े शर्तों पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से राहत राशि नहीं लेनी पड़े।

ह्यखान का स्वागत करते हुए क्रिंग ने कहा, ÷आप कह सकते हैं कि चीन और पाकिस्तान हर वक्त के साझीदार हैं।÷ क्रिंग ने कहा, ÷हमारे बीच बहुत अधिक राजनीतिक विश्वास है और सभी क्षेत्रों में करीबी सहयोग संबंध है। चीन अपनी विदेश नीति के तहत हमेशा से पाकिस्तान को प्राथमिकता देता आया है। आपकी यात्रा से दोनों देशों के संबंध और मजबूत होंगे।÷क्रिंग को धन्यवाद देते हुए खान ने कहा, ÷2013 में सीपीईसी केवल एक विचार था और तब से अब तक दोनों देशों के रिश्ते में अधिक गहराई आयी है। अब यह जमीन पर उतर चुका है। पाकिस्तान के लोगों को यह परिकल्पना पसंद आयी है।÷खान ने कहा कि उनका देश चीन में प्रगति और निवेश को आमंत्रित करने के अवसर देखता है।

प्रतिबंध नहीं हटाए गए तो फिर शुरू हो सकता है परमाणु कार्यक्रम- उत्तर कोरिया

सियोल (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका उसके खिलाफ लगे आर्थिक प्रतिबंधों को नहीं हटाता है तो वह परमाणु हथियारों को मजबूत करने संबंधी अपनी नीति को फिर से प्रभावी बना सकता है। प्रतिबंधों के प्रयोग और उत्तर कोरिया पर परमाणु कार्यक्रम बंद करने के दबाव के कारण वाशिंगटन और सियोल के बीच तल्खी की पृष्ठभूमि में विदेश मंत्रालय की ओर से शुक्रवार की शाम यह बयान जारी किया गया है। मंत्रालय का कहना है कि यदि अमेरिका ने अपना रूख नहीं बदला तो उत्तर कोरिया परमाणु कार्यक्रम और आर्थिक विकास को मजबूत करने के लिए अपनी 'प्योंगजिन' नीति को फिर से प्रभावी बना सकता है। उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु कार्यक्रमों के संबंध में अमेरिका के साथ चल रही बातचीत को खत्म करने की लगभग धमकी दे डाली है। मंत्रालय के इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिकन स्टडिज के निदेशक के नाम से जारी इस बयान में कहा गया है, ''अमेरिका को लगता है कि बार-बार प्रतिबंध लगाने और दबाव बढ़ाने से परमाणु निरस्त्रीकरण होगा। हम ऐसे बेवकूफाना विचार पर हंसने से खुद को नहीं रोक पाए।'' उसका कहना है कि संबंधों में सुधार और प्रतिबंध दोनों साथ-साथ नहीं चल सकते हैं।

एमजे अकबर की सफाई पर पल्लवी ने दिया जवाब, 'जबर्दस्ती और खौफ का रिश्ता सहमति का नहीं होता'

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अपनी सहयोगी महिलाओं के उत्पीड़न के आरोप झेल रहे एमजे अकबर को उनकी पुरानी सहयोगी ने उस बयान के लिए लताड़ लगाई, जिसमें उन्होंने कहा था कि दोनों के बीच आपसी सहमति से रिश्ते थे. पल्लवी ने कहा, मैं अपने हर उस शब्द के साथ दृढ़ता से खड़ी हूं, जिसे मैंने पहले कहा था. अमेरिका में नेशनल पब्लिक रेडियो की चीफ बिजनेस एडिटर पल्लवी गोगोई ने अकबर पर जयपुर में रेप करने का आरोप लगाया था. जिस एमजे अकबर ने सहमति के रिश्ते बताकर खारिज किया था. पल्लवी ने ये आरोप 'वाशिंगटन पोस्ट' में एक लेख में लगाए थे.

पल्लवी अकबर के साथ 'द एशियन एज' में काम कर चुकी हैं. अकबर के खिलाफ करीब 20 महिलाओं ने यौन शोषण के आरोप लगाए थे, जिसके बाद उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ा था. लेकिन पल्लवी के साथ रिश्ते उन्होंने स्वीकारे थे, उनका कहना था कि ये सब कुछ सहमति से था. लेकिन अब पल्लवी ने उनके इन आरोपों को भी खारिज कर दिया है. पल्लवी का कहना है कि उन्होंने अपनी पीड़ा के बारे में ये लेख अपनी बेटी और बेटे के लिए लिखा है. ताकि कभी उनके सामने ऐसे हालात आएं तो वह मुकाबला कर सकें. पल्लवी का कहना है कि उनका ये लेख ऐसे लोगों को भी सच बोलने के लिए प्रेरित करेगा, जो इस तरह के हालात से गुजरे हैं.

अकबर ने शुक्रवार को कहा कि दोनों के बीच सहमति से संबंध बने थे. यहां तक कि अकबर की पत्नी ने गोगोई पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है. गोगोई ने अकबर के बयान को खारिज करते हुए ट्वीट कर कहा मेरे साथ गलत हरकत करने और अन्य युवा महिलाओं को अपना शिकार बनाने की जिम्मेदारी लेने के बजाए अकबर कह रहे हैं कि संबंध सहमति से बने थे. ऐसा नहीं था. पल्लवी ने अकबर पर निशाना साधते हुए कहा, एक ऐसा रिश्ता जो खौफ पैदा कर सत्ता का गलत इस्तेमाल कर बनाया जाए तो वह सहमति से बना रिश्ता नहीं होता है.

एच1 बी वीजा धोखाधड़ी मामले में भारतीय-अमेरिकी सिलिकॉन वैली से गिरफ्तार

वाशिंगटन (एजेंसी)।

एच-1बी वीजा धोखाधड़ी के मामले में एक भारतीय अमेरिकी व्यक्ति को कैलिफोर्निया में गिरफ्तार किया गया है। किशोर कुमार कावुरू को शुक्रवार सुबह गिरफ्तार कर अमेरिकी मजिस्ट्रेट न्यायाधीश सुसन वान केउलेन के समक्ष पेश गिया गया। बाद में आरोपी को मुचलके पर छोड़ दिया गया। कावुरू पर वीजा धोखाधड़ी के 10 आरोप तथा मेल धोखाधड़ी के भी इतने ही आरोप लगाए गए हैं। यह मामला उसकी कंसल्टिंग कंपनी के उपभोक्ताओं के लिए विदेशी कामगारों का एक समूह तैयार रखने की योजना से जुड़ा हुआ है।

मामले के अनुसार कावुरू 2007 से चार कन्सल्टिंग कंपनियों का मालिक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी था। उस पर श्रम मंत्रालय तथा गृह सुरक्षा मंत्रालय दोनों के पास फर्जी दस्तावेज जमा कराने के आरोप हैं जिनमें विदेशी कर्मचारियों के लिए फर्जी कार्य परियोजनाओं के ब्योरों का जिक्र था। संघीय अभियोजकों ने बताया कि चूंकि इनमें से अधिकतर आवेदन मंजूर हो जाते थे, इसलिए भारतीय अमेरिकी के पास बेरोजगार एच-1 बी लाभार्थियों की अच्छी तादाद थी जो कानूनी कार्य परियोजनाओं के लिए तत्काल उपलब्ध रहते थे। इससे उसे वीजा आवेदन की लंबी प्रक्रियाओं से गुजरने वाली अन्य स्टाफ कंपनियों के मुकाबले लाभ मिलता था। न्याय मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि योजना के तहत कावुरू को भावी कर्मचारियों की जरूरत थी जो वीजा आवेदनों के तैयार और जमा होने से पहले हजारों डॉलर नकद अदा कर सकें। इसी के साथ उसे ऐसे कर्मचारियों की भी आवश्कता होती थी जिन्हें बिना भुगतान के इंतजार कराया जा सके। कई बार तो उन्हें महीनों तक इंतजार करना पड़ता है। अभियोजकों ने कहा कि अपनी कन्सल्टिंग कंपनियों के जरिए कावुरू ने एच-1बी वीजा सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के लिए कम से कम 43 आवेदन दिए जबकि लाभ उठाने वाली कंपनी के पास सॉफ्टवेयर इंजीनियर का कोई पद ही नहीं था। आरोपी को वीजा धोखाधड़ी के प्रत्येक आरोप पर 10 साल की कैद और 250,000 डॉलर का अधिकतम जुर्माना तथ मेल धोखाधड़ी के प्रत्येक जुर्म के लिए 20 साल तक की कैद हो सकती है। ।

पाकिस्तान : 'तालिबान के गॉडफादर' का किया गया अंतिम संस्कार, चाकू घोंपकर की गई थी हत्या

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में शीर्ष तालिबान समर्थक धर्मगुरू मौलाना समीउल हक को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अकोड़ा खट्टक नगर स्थित मदरसा दारूल उलूम हक्कानिया में शनिवार को सुपुर्दे खाक कर दिया गया. 82 वर्षीय धर्मगुरू को ''तालिबान के गॉडफादर'' के तौर पर भी जाना जाता था. अज्ञात हमलावरों ने गत शुक्रवार को रावलपिंडी शहर स्थित उनके आवास पर धारदार हथियार से हमला करके उनकी हत्या कर दी थी. हक के अंतिम संस्कार में हजारों लोग शामिल हुए जिसमें नेशनल असेंबली के स्पीकर असद कैसर, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के गवर्नर शाह फरमान, मुख्यमंत्री महमूद खान शामिल थे.

जनाजे की नमाज उनके पुत्र मौलाना हामिदुल हक ने पढ़ाई. जनाजे की नमाज के बाद हक को दारूल उलूम हक्कानिया में उनके पिता की कब्र के बगल में दफना दिया गया. हक के अंतिम संस्कार में राजनीतिक दलों के सदस्य, धार्मिक विद्वान और जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए. इसमें 65 सदस्यीय अफगान प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हुआ.

पर्याप्त सुरक्षा उपायों के लिए दारूल उलूम हक्कानिया और उसके आसपास स्थित विभिन्न स्थलों पर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था. हक दारूल उलूम हक्कानिया के प्रमुख थे. दारूल उलूम हक्कानिया को पश्चिमी मीडिया द्वारा ''जिहाद का विश्वविद्यालय'' कहा जाता है क्योंकि वहां पर अफगान और पाकिस्तानी तालिबान के कई नेताओं ने शिक्षा ग्रहण की है. उनमें मुल्ला उमर भी शामिल है जिसे इस मदरसे ने डाक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की थी. हक धार्मिक-राजनीतिक पार्टी जमीयत उलेमा ए इस्लाम के प्रमुख भी थे जो कि सत्ताधारी पाकिस्तान तहरीक इंसाफ पार्टी की सहयोगी है . पाकिस्तान तहरीके इंसाफ पार्टी का नेतृत्व प्रधानमंत्री इमरान खान करते हैं. हक दो बार संसद के सदस्य भी रहे. अभी तक किसी भी संगठन ने उनकी हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली है. पुलिस ने कहा कि हमलावरों की धरपकड़ के लिए अभियान शुरू कर दिया गया है जो संभवत- बाइक पर फरार हुए थे. एयरपोर्ट पुलिस थाने में दर्ज करायी गई एक प्राथमिकी में कहा गया है कि हमला शाम पौने सात बजे हुआ और हक के पेट, सीने, माथे और कान पर 12 बार वार किए गए. प्राथमिकी हक के पुत्र हामिदुल हक की शिकायत पर दर्ज की गई जिन्होंने पुलिस को बताया कि उनके पिता हमले के समय अकेले थे. पुत्र ने हक का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और इसे इस्लाम की शिक्षा के खिलाफ बताया. इस बीच पुलिस ने हक के चालक और सुरक्षाकर्मी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है.रावलपिंडी पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज हासिल किया है. सूत्रों ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हत्या में कम से कम दो हमलावर शामिल थे.

सऊदी सरकार के सर्वोच्च स्तर पर दिया गया था खशोगी को मारने का आदेश : तुर्की

अंकारा (एजेंसी)।

तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने शुक्रवार को कहा कि सऊदी पत्रकार जमाल खशोगी को मारने का आदेश सऊदी अरब सरकार के सर्वोच्च स्तर से आया था। उन्होंने कहा कि इस हत्या के पीछे किन लोगों का हाथ है इसका खुलासा करना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी है। वाशिंगटन पोस्ट में ऑप-ऐड में एर्दोआन कहते हैं, उन्हें नहीं लगता है कि दो अक्टूबर को सऊदी वाणिज्य दूतावास के भीतर खशोगी को मारने का आदेश सऊदी अरब के शाह सलमान ने दिया था। वह लिखते हैं कि सऊदी अरब के साथ तुर्की के निकट संबंध हैं, इसका अर्थ यह नहीं है कि तुर्की एक पत्रकार की मौत पर अपनी आंखें बंद कर लेगा।

एर्दोआन ने कहा, ''हमें पता है कि खशोगी को मारने का आदेश सऊदी अरब सरकार के सर्वोच्च स्तर से आया था।''वह लिखते हैं, ''अंतरराष्ट्रीय समुदाय के जिम्मेदार सदस्य होने के नाते, खशोगी की मौत के पीछे किसका हाथ है इसका खुलासा करना और सऊदी अरब के अधिकारियों ने किस पर इतना यकीन किया, यह पता करना चाहिए।'' एर्दोआन यह भी लिखते हैं कि वे लोग हत्या को छुपाने का प्रयास कर रहे हैं। इस्तांबुल के मुख्य अभियोजक ने बुधवार को घोषणा की कि अमेरिका में निर्वासन में रह रहे खशोगी जैसे ही वाणिज्य दूतावास में घुसे पूर्व नियोजित तरीके से उनका गला घोंट दिया गया। फिर उनके शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए।

चीन ने जीपीएस प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए एक और उपग्रह प्रक्षेपित किया

वाशिंगटन (एजेंसी)।

बीजिंग। चीन ने अमेरिकी ग्लोबल पोजिशन सिस्टम (जीपीएस) की प्रतिस्पर्धा में घरेलू विकसित बीदाऊ ग्लोबल सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार को एक और उपग्रह पृथ्वी की उच्च कक्षा में सफलतापूर्वक प्रक्षेपित कर दिया। सरकारी नियंत्रण वाले मीडिया शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार राज्य के दक्षिण-पश्चिम सिचुआन प्रांत में शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से यह उपग्रह प्रक्षेपित किया गया। इसे लांग मार्च-3बी करियर रॉकेट से अंतरिक्ष में भेजा गया। यह बीदाऊ नेविगेशन प्रणाली का 41 वां उपग्रह है और यह पहले से ही कक्षा में कार्यरत 16 अन्य बीदाऊ -3 उपग्रहों के साथ काम करेगा।

यह पृथ्वी के ऊपर 36,000 किलोमीटर की दूरी पर स्थित उच्च कक्षा में भेजा गया पहला बीदाऊ-3 उपग्रह भी है। इस उच्च कक्षा को भूस्थैतिक कक्षा कहा जाता है। इस कक्षा में भेजे गए उपग्रह पृथ्वी से लगातार एक ही बिंदु से दिख सकते हैं। यानी इन पर धरती के घूमने का असर नहीं होता क्योंकि इस दूरी पर उपग्रह और धरती एक ही गति से घूमते हैं। एक समान गति के कारण इस कक्षा के उपग्रह पृथ्वी से स्थिर लगते हैं। रिपोर्ट में प्रणाली के मुख्य डिजायनर यांग चांगफेंग के हवाले से बताया गया है कि चीन के प्रस्तावित बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) में शामिल देशों की सेवा के लिए वर्ष के अंत तक बीदाऊ-3 उपग्रहों के साथ एक मूल प्रणाली की व्यवस्था काम करने लगेगी। यह वर्ष बीदाऊ उपग्रहों के सघन प्रक्षेपणों के नाम रहा है।

यांग ने कहा कि चीन इस वर्ष के अंत तक अंतरिक्ष में अन्य दो उपग्रहों का प्रक्षेपण करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि रेडियो नेविगेशन प्रणाली के अलावा, यह उपग्रह एक बेहतर रेडियो निर्धारण उपग्रह सेवा से लैस है जो प्रत्येक घंटे एक करोड़ ग्राहकों को लघु संदेश भेज सकता है। बीदाऊ -3 श्रृंखला के मुख्य डिजाइनर पैन युकियन ने कहा, ÷यदि कोई नेविगेशन सिग्नल गलत हो जाता है, तो सैटेलाइट अन्य सिग्नल पर जाने के लिए उपयोगकर्ताओं को 6 सेकंड के भीतर सूचित कर सकता है।÷उपग्रह पर हाइड्रोजन और रूबिडियम परमाणु घड़ियों को लगाया गया है, जो स्थिति और समय सटीकता में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगी। बीदाऊ प्रणाली ने 2000 में चीन और 2012 में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सेवाएं देना शुरू कर दिया था। अमेरिकी जीपीएस प्रणाली, रूस की ग्लोनास और यूरोपीय संघ के गैलीलियो के पश्चात यह चौथी वैश्विक उपग्रह नेविगेशन प्रणाली होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 2020 तक, जब बीदाऊ प्रणाली वैश्विक हो जायेगी, तो इसमें 30 से अधिक उपग्रह होंगे।

अब वेतन वृद्धि की शुरु होगी लडाई

कुशल कामगारों से ढुलाई मजदूर से भी कम वेतन में कराया जा रहा है काम

सूरत, 4 अक्टूबर। आज 4 अक्टूबर रविवार को सुबह मजदूर यूनियनो के प्रतिनिधियों की एक बैठक का आयोजन श्रमजीवी सेवालय में किया गया था। इस बैठक में विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई और आगामी रणनीति भी तैयार की गई और तय किया गया की अब वेतन वृद्धि की लडाई शुरू की जाएगी एम्ब्रायडरी के सभी कामगार कुशल कामगार की श्रेणी में आते हैं बावजूद उसके उन्हें ढुलाई मजदूरों से भी कम वेतन में काम कराया जा रहा हैं जो बहुत अन्यायपूर्ण हैं।

साथ-साथ साप्ताहिक छुट्टी को लेकर भी चर्चा हुई बैठक में कई प्रतिनिधियों ने यह मुद्दा उठाया कि छुट्टी की घोषणा होने के बावजूद भी अधिकांश कारखानों में इस बाबत किसी भी प्रकार की सूचना का बोर्ड नहीं लगाया गया गया हैं। जिसके पश्चात बैठक में निर्णय लिया गया कि जिन-जिन कारखानों में बोर्ड नहीं लगाया गया हैं उनकी शिकायत लेबर कमिश्नर और फेक्ट्री इंस्पेक्टर के समक्ष की जाएगी।

इस बैठक में इंटक के महासचिव शान खान, सूरत जिला टेक्सटाइल मार्केटिंग ट्रांसपोर्ट लेबर यूनियन के अध्यक्ष उमाशंकर मिश्रा, करुणाशंकर तिवारी, अजय दुबे, निर्मलसिंह राजपूत समेत अन्य लेबर यूनियन प्रतिनिधि उपस्थित रहे थे।

दिवाली वेकेशन पर वतन गये कामदारों में से 20 प्रतिशत नहीं लौटेंगे वापस

जारी वर्ष में मंदी के कारण कपडा उद्योग में दिवाली वेकेशन होगा लंबा

सूरत, 4 अक्टूबर। दिवाली वेकेशन में गांव जानेवाले कामदारों में से 20 प्रतिशत पुन: सूरत नहीं लौटेंगे ऐसा संभावना व्यक्त की जा रही है। पिछले डेढ वर्ष से सतत मंदी के कारण परेशान कामदार अब कपडा उद्योग की बजाय अन्य विकल्प भी अजमा रहे हैं।

कपडा उद्योग सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कपडा उद्योग में दिवाली वेकेशन शुरु होने से अन्य राज्यों के कामदार वतन जाने लगे हैं। जिसमें से उत्तर प्रदेश, बिहार सहित अन्य राज्यों के अधिकांशत: कामदार गांव जाने की तैयारी में है। जारी वर्ष मंदी के कारण कपडा उद्यमियों के पास माल का भरावा हो गया है। जिससे अब वे दिवाली के बाद विलंब से कारखाना शुरु करने का विचार कर रहे हैं। जिससे दिवाली वेकेशन लंबा रहने की उम्मीद है।

जीएसटी के प्रभाव और मंदी के कारण जारी वष4 में कपडा उद्योग में कई क्षेत्रों में लूम्स कारखानों में अभी से दिवाली वेकेशन शुरु हो गया है। सूरत के कपडा उद्योग में काम करने वाले अधिकांशत: कामदार उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड व अन्य राज्यों के निवासी हैं। जो प्रति वर्ष त्योहार पर अपने गांव चले जाते हैं। फिलहाल दिवाली का माहौल होने से अधिकांशत: कामदार गांव जाने की तैयारी में हैं। पिछले दो दिन से कई क्षेत्रों में लूम्स कारखाने बंद होने से कामदारों ने गांव की ओर रुख कर लिया है। कपडा उद्योग में हो रही चर्चा के अनुसार जारी वर्ष कपडा उद्योग में जीएसटी का प्रभाव और मंदी के कारण कपडा उद्योग की हालत काफी खस्ता रही है। काम कम होने से कामदारों को भी अच्छा वेतन नहीं मिला। जारी वर्ष में मंदी के कारण दिवाली वेकेशन लंबा रहने की संभावना है। इसके अलावा विगत दिनों में उत्तर भारतीयों पर हुये हमले के कारण भी कामदारों में असंतोष है, जिसके चलते अधिकांशत: कामदार विलंब से वापस लौटेंगे ऐसी आशंका है। कारखाना संचालको का कहना है कि दिवाली के बाद कपडा मार्केट में वैवाहिक सीजन की खरीदी शुरु होगी ऐसी में बडे पैमाने पर कपडे की डिमांग शुरु होगी और यदि कामदार नहीं रहे तो ऑर्डर से हाथ धोना पडेगा। जीएसटी के कारण पहले से ही व्यापार पर विपरीत प्रभाव पडा है और अब कामदारों की कमी के कारण भी परेशानी का सामना करना पड सकता है। कपडा उद्योग में पिछले डेढ वर्ष से मंदी का माहौल होने से कामदारों को वेतन अच्छा नहीं मिला है जिससे कई कामदार पहले से ही कपडा उद्योग छोड गये है और बाकी के कई अब दिवाली के बाद सूरत नहीं आयेंगे ऐसी संभावना है। यदि ऐसा हुआ तो कपडा उद्योग की हालत और दयनिय हो जायेगी।

चालान काटने में व्यस्त ट्रैफिक पुलिस पर भड़के स्वास्थ्य मंत्री कुमार कानाणी

सूरत। शहर के कापोद्रा सर्कल पर यातायात बहाल करने के बजाए जुर्माना वसूल रहे ट्रैफिक पुलिस को स्वास्थ्य मंत्री कुमार कानाणी कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पहले यातायात सामान्य करो उसके बाद वाहन चालकों को चालान काटो। जानकारी के मुताबिक राज्य के स्वास्थ्य मंत्री कुमार कानाणी सूरत के कापोद्रा सर्कल से गुजर रहे थे। उस वक्त जाम लगा पड़ा था और दूसरी ट्रैफिक पुलिसकर्मी वाहन चालकों के चालान काटने में व्यस्त थे। ट्रैफिक पुलिस की ऐसी कार्यवाही देख कुमार कानाणी भड़क उठे और उन्होंने चालान काट रहे पुलिसकर्मियों को कड़ी फटकार लगाई। कानाणी ने कहा कि पहले यातायात बहाल करो और बाद में चालान की कार्यवाही करो। मीडिया से बातचीत में कुमार कानाणी ने कहा कि दीपावली के आडे चंद दिन रह गए हैं और बड़ी सं या में लोग परिवार समेत खरीदारी को घर से निकल रहे हैं। जिसकी वजह से ट्रैफिक गंभीर समस्या पैदा हो गई है। ऐसे में ट्रैफिक समस्या का निपटारा करने के बजाए 15-20 ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का झुंड चालान काटने में व्यस्त है। कानाणी ने कहा कि पहले यातायात की समस्या का निपटारा करना चाहिए और उसके बाद यातायात नियमों का उल्लंघन करनेवालों के खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए। इस बारे में पुलिस आयुक्त समेत अन्य अधिकारियों को आदेश दिया है कि वराछा रोड पर जुर्माना वसूली के बजाए यातायात समस्या का पहले निपटारा किया जाएगा।

वराछा में फ्लेट से 4.50 लाख की चोरी

सूरत, 4 अक्टूबर। शहर के वराछा क्षेत्र में टांकली फलिया समीप स्थित सुरत्री अपार्टमेन्ट के फ्लेट में से गत रोज अज्ञात तस्कर 4.50 लाख का माल चोरी कर फरार हो गये। घटना के संदर्भ में वराछा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार वराछा टांकली फलिया समीप स्थित सुरभी अपार्टमेन्ट के फ्लेट नंबर 106 में रहनेवाले रविप्रकाश श्यामसिंह राजपूत के घर में रात्री के मुख्य दरवाजे का नकुचा तोड भीतर प्रवेशित हुये अज्ञात तस्कर किसी साधन से कबाट का दरवाजा खोल 180 ग्राम के जेवर, चांदी के जेवर, नकद रुपये मिलाकर कुल 4.74 लाख रुपये का माल चोरी कर फरार हो गये।

चालान काटने में व्यस्त ट्रैफिक पुलिस पर भड़के स्वास्थ्य मंत्री कुमार कानाणी

सूरत, 4 अक्टूबर। शहर के कापोद्रा सर्कल पर यातायात बहाल करने के बजाए जुर्माना वसूल रहे ट्रैफिक पुलिस को स्वास्थ्य मंत्री कुमार कानाणी कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पहले यातायात सामान्य करो उसके बाद वाहन चालकों का चालान काटो। जानकारी के मुताबिक राज्य के स्वास्थ्य मंत्री कुमार कानाणी सूरत के कापोद्रा सर्कल से गुजर रहे थे। उस वक्त जाम लगा पड़ा था और दूसरी ट्रैफिक पुलिसकर्मी वाहन चालकों के चालान काटने में व्यस्त थे। ट्रैफिक पुलिस की ऐसी कार्यवाही देख कुमार कानाणी भड़क उठे और उन्होंने चालान काट रहे पुलिसकर्मियों को कड़ी फटकार लगाई। कानाणी ने कहा कि पहले यातायात बहाल करो और बाद में चालान की कार्यवाही करो। मीडिया से बातचीत में कुमार कानाणी ने कहा कि दीपावली के आडे चंद दिन रह गए हैं और बड़ी संख्या में लोग परिवार समेत खरीदारी को घर से निकल रहे हैं। जिसकी वजह से ट्रैफिक गंभीर समस्या पैदा हो गई है। ऐसे में ट्रैफिक समस्या का निपटारा करने के बजाए 15-20 ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का झुंड चालान काटने में व्यस्त है। कानाणी ने कहा कि पहले यातायात की समस्या का निपटारा करना चाहिए और उसके बाद यातायात नियमों का उल्लंघन करनेवालों के खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए। इस बारे में पुलिस आयुक्त समेत अन्य अधिकारियों को आदेश दिया है कि वराछा रोड पर जुर्माना वसूली के बजाए यातायात समस्या का पहले निपटारा किया जाएगा।

तुलसी का गमला गिरा युवक के हाथ पर, पंजा हुआ हाथ से अलग

सूरत। सूरत में एक चौंकानेवाली घटना सामने आई है। जहां एक युवक के हाथ पर तुलसी का गमला गिर गया। गमला गिरने से युवक का पंजा हाथ से अलग हो गया। घटना के बाद पंजे को प्लास्टिक बैग में रखकर युवक को निजी अस्पताल ले जाया गया। निजी अस्पताल में उपचार में असमर्थता जाहिर करने के बाद युवक को सूरत के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां चिकित्सकों ने युवक का उपचार शुरू कर दिया है। अजीबो गरीब इस घटना के बारे में एक सर्जन का कहना है कि यदि हादसे के 5-6 घंटे में उपचार किया जाता है तो कटा हुआ अंग शरीर से पहले की भांति जुड़ सकता है। अहमदाबाद के वीएस अस्पताल में ऐसे 2-3 मामलों में डॉक्टरों की सफलता मिली है। अपोलो अस्पताल में एक शख्स के दो पंजों को जोड़ा जा चुका है। उपचार के बाद व्यक्ति पहले की भांति अपने हाथ का उपयोग कर रहा है।

सूरत। नानपुरा स्थित रविवारी बाजार मे दीपावली के चलते लोगों की काफी भीड़ देखी गई।

कन्टेनरों के अभाव में निर्जन स्थलों पर लगा कचरे का ढेर

सूरत। सूरत महानगरपालिका ने दिवाली तक शहर को कचरा कन्टेनर फ्री बनाने का अभियान शुरु किया है। कन्टेइनरो का अन्य विकल्प उपलब्ध नहीं होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है और ऐसी अनेक समस्याओं की घटनायें भी प्रकाश में आई है। शहर के पोश क्षेत्र की एक सोसायटी में खाली प्लोट सहित निर्जन स्थल पर कचरे का अंबार लग गया है। खास करके सोसायटी के लोग खाली प्लोट या बिल्डिंग के कम्पाउन्ड में कचरा फेंकते है जिसके कारण बिल्डिंग के आसपास या प्लोट के मालिको की हालत भी खराब हो गई है।

सूरत शहर को कचरा के कन्टेइनर से मुक्त बनाने के लिए सूरत महानगरपालिका ने अभियान शुरु कर अधिकांशत: स्थलों से कन्टेइनर हटा लिया है। डोर टु डोर गार्बेज कलेक्शनवाली गाडियों को अनिवार्य रुप से कचरा देने का नियम पालिका ने लाद दिया है। हलांकि अचानक ही लिये गये निर्णय से विपरीत प्रभाव पडा है।

लोगों के पास तुरंत कोई दूसरा विकल्प नहीं होने से जहां-तहां खुले में या निर्जन स्थलों पर कचरा फेंका जा रहा है और उसके कारण गंदगी का प्रमाण दिन प्रतिदिन बढता ही जा रहा है। खास करके दिवाली पर्व शुरु होने से लोग घरों, ऑफिसों, कारखाना, गोदाम आदि की सघन साफ-सफाई कर कचरे का निकाल करते हैं। जिन्हें कचरे के निकाल में तकलीफ हो रही है। एक चौंका देनेवाले किस्से के अनुसार शहर के पोश क्षेत्र में देखा गया। फिलहाल अमेरिका में रहनेवाले एक गृहस्थ का बंगला और प्लोट पार्ले प्वाइन्ट समीप सर्जन सोसायटी में स्थित है। गृहस्थ एकाध वर्ष बाद आते हैं जिससे घर की साफ-सफाई व देखरेख का जिम्मा अपने एक संबंधी को सौंपा है। यह संबंधी दो दिन पहले बंगले और प्लोट के लिए सफाई के लिए वहां पहुंचा तो चौंक उठा। कारण कि उसके बंगले के कम्पाउन्ड तथा प्लोट में कचरे का ढेर लगा था। जो स्पष्ट रुप से दिखाई दे रहा थआ कि सोसायटी में रहनेवाले अन्य लोगों ने अपने घर, प्रांगण की साफ-सफाई के बाद निकला कचरा वहां फेंका था।

आप सभी को धनतेरस एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामना

सामाजिक कार्यकर्ता
राजकुमार एच विश्वकर्मा

आयकर विभाग को टेक्स चोरी के संदर्भ में एलर्ट करेगा नया सॉफ्टवेयर

सॉफ्टवेयर जीएसटी के साथ आयकर रिटर्न का अंतर खोजेगा!

सूरत। केन्द्र सरकार टेक्स चोरी पकडने के लिए आयकर और जीएसटी रिटर्न को मैच करने की तैयारी में है। इसके लिए एक खास प्रकार का सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है। इस सॉफ्टवेयर द्वारा जीएसटी रिटर्न और आयकर रिटर्न की टेली की जायेगी और यदि टेली नहीं होता है तो सिस्टम स्वयं आयकर विभाग को एलर्ट करेगा। सॉफ्टवेयर तैयार होगा तब तक कई खास मामलों में निगरानी रखी जा रही है। प्रारंभ में मात्र बडे केस पर ही निगरानी रहेगी और आगे समय पसार होने पर ई-वे बिल को भी उसमें समावेहित कर लिया जायेगा।

टेक्स विशेषज्ञ मितेष मोदी के का कहना है कि फोर्म-16 में आपके निवेश की जानकारी देनी होगी। यदि आपके टीडीएस में मिसमैच होगा तो आयकर विभाग नोटिश भेज सकता है। आवश्यता हुई तो आयकर विभाग आपके पास से दस्तावेज भी मांग सकता है। जीएसटी में दो तरह से टेक्स चोरी हो रही है। कई लोग फर्जी बिल द्वारा इनपुट टेक्स क्रेडिट ले रहे है और इसके अलावा बिजनेस को भी कम बताया जाता है।

सेसन न्यायालय के इतिहास में पहली बार गौ हत्या के आरोपी की जमानत ना मंजुर

सूरत। विश्व हिंदु परिषद राष्ट्रीय गौ रक्षा आंदोलन समिति के प्रान्त संयोजक नरेन्द्र चौधरी ने अपनी टीम के साथ सकाई एजाज के विरुद्ध में एफिडेविट की जिसमें कई वकिलों ने साथ दिया जैसे एडवोकेट दिगन्त तेवर, एडवोकेट गिरिश हरेजा, एडवोकेट गोविंद पोदार, एडवोकेट सचिन गुगे सहित कई अन्य भी साथ रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)